14

विश्व में पर्यटन का विकास और स्वरूप

विश्व में अधिकांश देशों की अर्थव्यवस्था के लिए पर्यटन बहुत ही महत्वपूर्ण है। जैसा कि पहले चर्चा की जा चुकी है कि यह एक सेवा उद्योग है। पर्यटन के लिए चुने गए देश में यह स्थानीय रोजगार के अवसरों में महत्वपूर्ण योगदान देता है। यह घरेलू हस्तशिल्प उद्योगों को जीवन देता है तथा अनेक परिवारों को आजीविका प्रदान करता है। देश के लिए यह विदेशी मुद्रा अर्जित करने में सहायता करता है। विगत समय में विश्व के अनेक भागों में पर्यटन बहुत व्यापक रूप से बढ़ रहा है। उन क्षेत्रों में वृद्धि की उच्च दर देखी गई है जो कुछ दशक पहले बहुत महत्वपूर्ण नहीं थे तथा पर्यटन के पारम्परिक स्थलों में वैसी वृद्धि नहीं हो रही है। 'वृद्धि' शब्द का अभिप्राय गत समय की तुलना में वर्तमान समय में पर्यटकों की संख्या अथवा प्रतिशत में हुई वृद्धि अथवा कमी से है। 'स्वरूप' का अर्थ पृथ्वी पर पर्यटन गतिविधियों के क्रमिक वितरण से है। इस अध्याय में विश्व में पर्यटन के विकास और उसके स्वरूप को स्पष्ट करने का एक प्रयास किया गया है। साथ ही इस अध्याय में कारण तथा कारक सहित यह भी वर्णन किया जाएगा कि ऐसा क्यों हो रहा है?

उद्देश्य

इस पाठ के अध्ययन के पश्चात आप:

- विश्व की अनेक भौगोलिक ईकाइयों की पहचान कर सकेंगे;
- विश्व में पर्यटन को प्रभावित करने वाले घटकों अथवा कारकों को स्पष्ट कर सकेंगे;
- विश्व को विभिन्न भू-आकृतियों के आधार पर बाँट कर उनका वर्णन कर सकेंगे;
- पर्यटन के लिए विभिन्न ईकाइयों के महत्व का उल्लेख कर सकेंगे;
- विश्व में पर्यटन के भावी स्वरूप पर प्रकाश डाल सकेंगे;
- विश्व में पर्यटन के विभिन्न आकर्षणों की व्याख्या कर पाएंगे;
- विश्व में पर्यटन के विकास को स्पष्ट कर सकेंगे;

- विश्व में पर्यटन के स्वरूप को पहचान कर उनका वर्णन कर सकेंगे; और
- पर्यटन को बढ़ावा देने के सरकारी प्रयासों को उजागर कर सकेंगे।

14.1 परिचय

पर्यटन का लोगों की अच्छी आर्थिक स्थिति, खाली समय, विभिन्न स्थानों को देखने की रुचि के साथ-साथ पर्यटन के लिए पैसा खर्च करने की इच्छा और योग्यता से गहरा संबंध है। पर्यटन का संबंध उस पर्यटक की यात्रा से है जो अपने निवास स्थान से दूर विश्राम, मनोरंजन, व्यापार, बैठकों, सभाओं और प्रदर्शनियों के लिए एक वर्ष से अधिक न रहता हो। पर्यटक ऐसा कोई कार्य भी नहीं करते जिसके लिए उन्हें भुगतान किया जाता हो। यात्रा और पर्यटन स्वैच्छिक गतिविधि है जिसे सरकार से दिए गए अनेक प्रलोभन और प्रोत्साहन का सहारा भी मिल सकता है, जैसे रियायती अवकाश यात्रा, किसी बैठक अथवा सभा पर खर्च की गई राशि को प्रदान करना। यहां पर्यटन की वृद्धि का अर्थ है एक समय-अवधि से दूसरी समय-अवधि में पर्यटकों की संख्या में हुई वृद्धि। यह वृद्धि सदैव संख्या का बढ़ना ही नहीं होती अपितु कभी संख्या घट भी सकती है। उदाहरण के लिए पर्यटकों की संख्या आधार वर्ष के तुलना में ही कम हो सकती है। उस मामले में वृद्धि को नकारात्मक कहा जाता है। पर्यटकों की संख्या में वृद्धि या कमी विभिन्न कारणों पर निर्भर करती है। उन कारकों को योगदान देने वाले कारक कहा जाता है। पर्यटन का स्वरूप पर्यटन की गतिविधियों का स्थान के संदर्भ में मूल्यांकन करने की कोशिश करता है। अत: पर्यटन का विकास और स्वरूप पर्यटन की गतिविधियों के स्थानिक और कालिक मूल्यांकन की ओर संकेत करता है। वैश्विक परिप्रेक्ष्य में पर्यटन का वर्तमान स्वरूप विभिन्न देशों की सरकारों के प्रयासों का परिणाम है।

14.2 विश्व में पर्यटन को प्रभावित करने वाले घटक

पर्यटक का अनेक घटकों के साथ सीधा संबंध है। पर्यटकों के साथ जुड़े कुछ घटक हैं :

(i) पर्यटकों की अच्छी आय

(ii) सवैतनिक अवकाश अथवा अवकाश का अधिकार

(iii) यात्रा खर्च

(iv) तकनीक

(v) पैकेज प्रदाता/यात्रा संचालक

(vi) नवीनतम जानकारी/मीडिया

(vii) विकासशील देशों में बढ़ता मध्यम वर्ग

(viii) भ्रमण के नये स्थलों का उदय और पर्यटन निवेश में बढ़ोतरी

पर्यटन स्थलों तक की यात्रा, निवास, भोजन और पेय, मनोरंजन के लिए धन की आवश्यकता होती है। पर्यटन गतिविधियों को तभी आयोजित किया जा सकता है जब पर्यटकों की वित्तीय स्थिति

मजबूत हो। दूसरे शब्दों में पर्यटन गतिविधियों का अनुमान लगाने के लिए प्रति व्यक्ति आय ही सबसे अच्छा तरीका है। ऐसे देशों में लोग जिनकी प्रति व्यक्ति आय अधिक होती है, वे स्थानीय से वैश्विक यात्राओं पर अधिक जाते हैं। सरकार/कम्पनी/कॉर्पोरेट में काम करने वालों को सवैतनिक अवकाश भी मिलता है अथवा वे अवकश के अधिकारी होते हैं। यह एक प्रकार का प्रोत्साहन है जो पर्यटन को बढ़ावा देता है। ये लोग अधिकतर पर्यटन गतिविधियाँ करते हैं। जहां पर भी ऐसी सुविधाएं हैं, वहां पर्यटन बढ़ रहा है।

यात्रा खर्च पर्यटन को प्रभावित करने वाले महत्वपूर्ण कारकों में से एक है। सामान्य से कम कीमत पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा देती हैं जबकि अधिक कीमत पर्यटन गतिविधियों में बाधक बनती हैं। आमतौर पर यह निर्धारण का महत्वपूर्ण कारक है परन्तु बहुत अमीर लोगों के लिए यह कोई बड़ा कारण नहीं है। यह भी वास्तविकता है कि समाज का सबसे अमीर वर्ग पर्यटन में योगदान नहीं देता। अतः यात्रा खर्च पर्यटन को प्रभावित करता है।

प्रौद्योगिकी की प्रगति ने विश्व को बहुत निकट ला दिया है। विश्व के विभिन्न पर्यटक स्थलों के बारे में इंटरनेट पर बहुत जानकारी उपलब्ध है। बहुत से चित्र भी उपलब्ध हैं। पर्यटकों को अपना गन्तव्य चुनने के लिए इनका अत्यधिक महत्व है। अतः इंटरनेट पर सूचनाओं का एक क्लिक की दूरी पर होने से पर्यटन को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

पैकेज देने वाले/यात्रा संचालक पर्यटकों के लिए बहुत सहायक होते हैं। वे पर्यटकों की मांग के अनुसार यात्रा-क्रम को बेहतर बनाते हैं। मूल रूप से वे सहायक हैं तथा पर्यटकों की यात्रा को सुखद बनाने में सहायता करते हैं। जहां कहीं भी यात्रा पैकेज देने वाले उपलब्ध हैं और वे जिस क्षेत्र में काम कर रहे हैं, वहां विश्व के पर्यटन मानचित्र पर पर्यटन गतिविधियाँ अधिक दिखाई देती हैं।

प्रिंट और श्रव्य-दृश्य मीडिया भी विश्व को निकट लेकर लाया है। वे विश्व के प्रत्येक भाग के बारे में जानकारी प्रदान करते हैं। विश्व के बारे में जानकारी भी दुनियाँ में पर्यटन के बढ़ने की प्रवृत्ति पर प्रभाव डालती है। अच्छी प्रकार की लिखित जानकारी वाले तथा प्रसिद्ध क्षेत्रों में पर्यटक अधिक आते हैं जबकि कम प्रचलित क्षेत्र पर्यटकों में लोकप्रिय नहीं हैं।

विकासशील देशों में आर्थिक सम्पन्नता और विकास तथा अच्छी वित्तीय स्थिति रखने वाले वर्ग का उदय भी यात्रा और पर्यटन के लिए एक अतिरिक्त कारक है। यह पर्यटन गतिविधियों की सम्भावना को बढ़ाता रहा है।

विश्व में नए भ्रमण स्थल उभर रहे हैं। ऐसे क्षेत्र में संरचनात्मक ढांचे के विकास के लिए ज्यादा से ज्यादा निवेश किए जाते हैं। इसलिए पर्यटन में निवेश इस उद्योग को बढ़ावा दे रहा है।

14.3 विश्व में भ्रमण स्थलों पर पर्यटकों के लिए आकर्षण

विश्व के विभिन्न भागों में पर्यटकों के लिए अलग प्रकार के आकर्षण हैं। विकसित और विकासशील दुनियाँ अल्प विकसित दुनिया की तुलना में पर्यटकों के लिए अधिक अवसर प्रदान करती है। प्रारम्भ में पर्यटन मुख्यतः विकसित दुनिया तक ही सीमित था परन्तु अब चलन में बदलाव आया है और विकासशील दुनिया में अधिक से अधिक पर्यटन गतिविधियाँ हो रही हैं। मुख्य आकर्षणों को

सांस्कृतिक, प्राकृतिक, घटनाओं, मन-बहलाव और मनोरंजन के अंतर्गत बांटा जा सकता है। उनके अनेक घटक होते हैं जिन्हें निम्नलिखित तालिका के माध्यम से देखा जा सकता है।

तालिका 14.1: पर्यटकों के लिए आकर्षणों पर एक विहंगम दृष्टि

सांस्कृतिक	प्राकृतिक	आयोजन	मन-बहलाव	मनोरंजन
ऐतिहासिक स्थल	दृश्य	बड़े-आयोजन	भ्रमण	थीम पार्क
पुरातत्विक स्थल	समुद्री दृश्य	सामुदायिक आयोजन	गोल्फ	मनोरंजन पार्क
वास्तुकला	पार्क	त्यौहार	तैराकी	कैसीनो
पकवान	पर्वत	धार्मिक आयोजन	टेनिस	सिनेमा
स्मारक	द्वीप, समुद्री बीच	खेल आयोजन	क्रिकेट	शॉपिंग (खरीददारी) सुविधाएं
औद्योगिक स्थल कला केंद्र	वनस्पति	व्यापार मेले	हाईकिंग	निष्पादन
संग्रहालय	प्राणी जगत	प्रदर्शनियाँ	फास्ट ट्रैक कार रेस	खेल परिसर
जातीय	तट	सम्मेलन	बर्फ के खेल	जल-पार्क
संगीत समारोह	गुफाएं	बैठकें	वर्ल्ड कप	रॉक गार्डन
खेल आयोजन	रंगमंच	–	भोजन	फुटबाल
अन्य	अन्य	अन्य	अन्य	अन्य

14.3.1 सांस्कृतिक आकर्षण

अनेक सांस्कृतिक क्षेत्र पर्यटकों की मांग पर बने रहते हैं। इनमें ऐतिहासिक स्थान, पुरातात्विक स्थल, पुराने भवनों की विभिन्न वास्तुकला के निर्माण, ऐतिहासिक महत्व के स्मारक इत्यादि शामिल हैं। संग्रहालय विभिन्न प्रकार के ऐतिहासिक और वास्तुकला के साक्ष्यों का संग्रह होता है। वे पर्यटकों को आकर्षित करते हैं क्योंकि उनमें से अनेक की उनको जानने की रुचि होती है। थियेटरों में संगीत सम्मेलनों तथा रोचक सांस्कृतिक और ऐतिहासिक कार्यक्रमों का आयोजन पर्यटन के लिए बड़े आकर्षण के केन्द्र होते हैं। कुछ स्थान अपने ऐतिहासिक पकवानों और भोजन के लिए प्रसिद्ध हैं। अत: पकवान की सुविधा पर्यटकों को आकर्षित करती है।

14.3.2 प्राकृतिक आकर्षण

प्राकृतिक खूबसूरत स्थल पर्यटकों की कमजोरी होते हैं। वे ऐसे स्थानों को देखना चाहते हैं जहां कहीं भी प्राकृतिक दृश्य, समुद्री तट तथा पर्वत होते हैं- वे स्थान पर्यटकों के लिए बेहतरीन होते हैं। पर्वतीय स्थल, द्वीप और समुद्री किनारे (बीच) जैसे स्थानों को पर्यटक खोजते रहते हैं। अलग प्रकार के पार्क तथा वनस्पति और प्राणी जगत के कई प्रकार भी पर्यटकों के रुचि के स्थल होते हैं।

14.3.3 आयोजनों के कारण आकर्षण

पूरे विश्व भर में अनेक प्रकार के विशिष्ट कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। उनमें रुचि रखने वाले लोग ऐसे आयोजनों में उपस्थित होने का प्रयास करते हैं ताकि आयोजन से पूरी तरह परिचित हो सकें अथवा विश्व के अलग-अलग कोनों से व्यापार कर सकें। उन्हें बड़े आयोजन (मेगा-इवेन्ट्स) कहा जाता है जैसे व्यापार मेले इत्यादि। बड़े खेल आयोजन खेल से जुड़े लोगों के अतिरिक्त पूरी दुनियाँ से लाखों लोगों को आकर्षित करते हैं। ओलम्पिक, विश्व फुटबाल मुकाबले तथा विश्व कप क्रिकेट मैच ऐसे आयोजनों के कुछ उदाहरण हैं। सामुदायिक आयोजन, मेले, त्यौहार और धार्मिक सम्मेलन लाखों राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। मक्का-मदीना में हज, महाकुम्भ अथवा सूर्य और चंद्रग्रहण के अवसरों पर गंगा में पवित्र स्नान इसके उदाहरण हैं। पूरे विश्व में सम्मेलन, बैठकें और कॉरपोरेट आयोजन भी बहुत बड़ी संख्या में लोगों को एक जगह एकत्र करते हैं।

14.3.4 मन-बहलाव के आकर्षण

मन बहलाव के अनेक आकर्षण पर्यटकों को चुम्बक की तरह खींचते हैं। उनमें से दृश्यावलोकन, खेल जैसे गोल्फ, तैराकी, टेनिस, क्रिकेट, वाट्र रैफटिंग इत्यादि कुछ साहसिक पर्यटकों की रुचि के होते हैं। अत: वे यात्रा एवं पर्यटन को बढ़ावा देते हैं।

14.3.5 अन्य मनोरंजक आयोजन

यात्रा और पर्यटन को विभिन्न प्रकार की मनोरंजन सुविधाएं प्रदान करके भी बढ़ावा दिया जाता है। कुछ प्रसिद्ध पर्यटक केन्द्रों में मनोरंजन पार्क, कैसिनो (जुआ घर), शॉपिंग (खरीददारी) सुविधाएं इत्यादि होती हैं। खेल केन्द्र और खेलों के आयोजन भी पर्यटकों के लिए बहुत रुचिकर होते हैं। ये कुछ ऐसे थीम हैं जिनकी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों में बहुत मांग बनी रहती है।

क्रियाकलाप 14.1

अपने राज्य के ऐसे स्थानों की सूची बनाइये जहां अंतर्राष्ट्रीय खेल करवाए जाते हैं तथा विभिन्न देशों के पर्यटक बड़ी संख्या में आते हैं।

पाठगत प्रश्न 14.1

1. पर्यटकों के साथ जुड़े किन्हीं पांच कारकों की सूची बनाइए।
2. किन्हीं तीन प्राकृतिक और किन्हीं तीन सांस्कृतिक आकर्षणों के बारे में लिखिए।
3. खेल पर्यटन के बारे में आप क्या जानते हैं?

14.4 यात्रा और पर्यटन का स्थानिक वितरण

पर्यटन का स्थानिक वितरण विभिन्न पर्यावरणीय स्थितियों पर निर्भर करता है। प्राकृतिक दृश्य, सुन्दर प्राकृतिक स्थल, आसान पहुंच तथा सामान्य जलवायुगत परिस्थितियाँ कुछ महत्वपूर्ण कारक हैं। इन सबसे अलग क्षेत्रों का सौन्दर्यीकरण और दृश्य निर्माण, बांध निर्माण तथा बहुउद्देशीय परियोजनाओं का विकास, मूर्तिकृत बाग, स्मारक और प्रसिद्ध स्थलों का पर्यटक भ्रमण करते हैं। महत्वपूर्ण धार्मिक त्यौहारों पर पर्यटक बड़ी संख्या में आते हैं जहां उपर्युक्त आकर्षण पर्यटकों के पक्ष में होते हैं।

अंतर्राष्ट्रीय प्रसिद्धि प्राप्त कुछ महत्वपूर्ण पर्यटक स्थलों को नीचे मानचित्र में दर्शाया गया है। इनमें से अधिकांश आर्थिक रूप से विकसित यूरोप के देशों, भूमध्य सागर के इर्द-गिर्द तथा अमेरिका में स्थित हैं। समय के साथ अन्य विकासशील देशों का नए पर्यटक स्थलों के रूप में महत्व बढ़ गया है। विश्व में पर्यटन गतिविधियों के व्यापक विस्तार का मुख्य कारण लोगों की बढ़ती आय है।

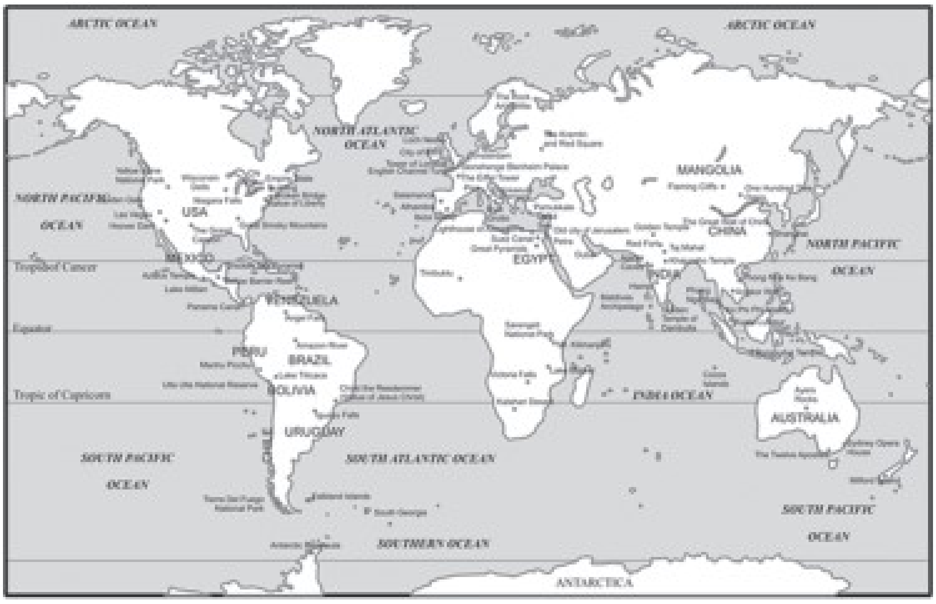

चित्र 14.1 विश्व पर्यटन मानचित्र

4.5 विश्व के दस शीर्ष पर्यटक स्थल

संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संघ (यूएनडब्ल्यूटीओ जिसका मुख्यालय स्पेन में मेड्रिड है) ने 2015 की अपनी वार्षिक रिपोर्ट में संकेत किया है कि पर्यटन की दृष्टि से फ्रांस शीर्ष पर है क्योंकि यहां लगभग 67,310,000 पर्यटक विश्व के विभिन्न भागों से पहुंचते हैं। फ्रांस के बाद अमेरिका का नम्बर आता है और दसवें नम्बर पर हंगरी आता है जहां 2015 में पूरे विश्व से 17,428000 पर्यटक पहुंचे थे।

तालिका 14.2: यूएनडब्ल्यूटीओ 2015 में विश्व के शीर्ष दस पर्यटक स्थल

क्रमांक	देश	पर्यटकों की संख्या
1.	फ्रांस	67,310,000
2.	संयुक्त राज्य अमेरिका	47,752,000
3.	स्पेन	43,252,000
4.	इटली	34,087,000
5.	यूनाइटेड किंगडम	25,515,000
6.	चीन	23,770,000
7.	पोलैण्ड	19,520,000
8.	मेक्सिको	19,351,000
9.	कनाडा	17,636,000
10	हंगरी	17,248,000

2014 में अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों के पहुंचने की दृष्टि से दस शीर्ष स्थलों को चित्र 14.2 में दर्शाया गया है। तालिका 14.2 में देशभर के आगुन्तकों की संख्या का विवरण दिया गया है।

चित्र 14.2: 2014 में अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों के पहुंचने की दृष्टि से दस शीर्ष स्थल

2014 में पूरे विश्व में 1.135 मिलियन अंतर्राष्ट्रीय पर्यटक थे जो कि 2013 में 1.87 मिलियन अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों की अपेक्षा 4.3% अधिक थे। नीचे दी गई तालिका 14.3 में 2012–14 के बीच पर्यटकों के आगमन की संख्या तथा प्रतिशत परिवर्तन को दर्शाती है।

टिप्पणियाँ

तालिका 14.3: दस शीर्ष देशों में पर्यटन में वृद्धि

सं रैंक	देश	यूएनटीडब्ल्यू टीओ क्षेत्र	अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों का पहुंचना (2014)	अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों का पहुंचना (2013)	परिवर्तन 2013 से 2014 (%)	परिवर्तन 2012 से 2013 (%)
1	फ्रांस	यूरोप	83.7 मिलियन	83.6 मिलियन	▲ 0.1	▲ 2.0
2	संयुक्त राज्य	उत्तरी अमेरिका	74.8 मिलियन	70.0 मिलियन	▲ 6.8	▲ 5.0
3	स्पेन	यूरोप	65.0 मिलियन	60.7 मिलियन	▲ 7.1	▲ 5.6
4	चीन	एशिया	55.6 मिलियन	55.5 मिलियन	▲ 0.1	▲ 3.5 ?
5	इटली	यूरोप	48.6 मिलियन	47.7 मिलियन	▲ 1.8	▲ 2.9
6	टर्की	यूरोप	39.8 मिलियन	37.8 मिलियन	▲ 5.3	▲ 5.9
7	जर्मनी	यूरोप	33.0 मिलियन	31.5 मिलियन	▲ 4.6	▲ 3.7
8	यू.के.	यूरोप	32.6 मिलियन	31.1 मिलियन	▲ 5.0	▲ 6.1
9	मेक्सिको	उत्तरी अमेरिका	29.8 मिलियन	28.4 मिलियन	▲ 5.3	▲ 10.2
10	रूस	यूरोप	29.1 मिलियन	24.2 मिलियन	▲ 20.5	▲ 3.2

14.6 विश्व में पर्यटन की वृद्धि

पर्यटन उद्योग 20 सदी के मध्य से फल-फूल रहा है। इससे पूर्व पर्यटन की गतिविधियाँ केवल विश्व के सीमित हिस्सों तक ही सीमित थीं। ऐसे हिस्से विकसित देशों में ही केन्द्रित थे। 1950 के बाद पर्यटन विश्व के केन्द्रों की वृद्धि विकसित देशों के बाहर भी देखी गई। नए स्थल बढ़ने लगे और पर्यटक ऐसे क्षेत्रों के भ्रमण के लिए आने लगे। इसके अतिरिक्त अल्प विकसित देशों की बढ़ती अर्थव्यवस्था भी इन देशों से पर्यटकों को आकर्षित करने लगी। इससे पर्यटन के क्षेत्रों में वृद्धि के साथ-साथ पूरे विश्व में पर्यटकों की संख्या बढ़ने लगी।

यात्रा और पर्यटन की वृद्धि और विकास पूरे विश्व में एक समान नहीं था। कुछ क्षेत्र बहुत अच्छी तरह से विकसित थे और उन्हें एक लम्बे समय से विकसित किया गया था। कुछ अन्य क्षेत्र भी बढ़-चढ़कर आगे आ रहे हैं। पूर्वी एशिया और प्रशान्त महासागर में आने वाले पर्यटकों की संख्या बहुत बड़ी है। औसतन यह 13% प्रतिवर्ष है जिसके बाद मध्य एशिया 10% प्रतिवर्ष की दर से आता है। 2000 से पूर्व यूरोप और अमेरिका पर्यटकों के लिए मुख्य आकर्षण स्थल थे परन्तु पिछले दिनों इनमें क्रमशः 10% और 13% की कमी हुई है। इन दोनों क्षेत्रों में पर्यटकों की हिस्सेदारी 1950 में 95% थी। 1990 में घटकर 82% हो गई और 2000 में यह 76% हो गई। अन्य क्षेत्रों का पर्यटन स्थल के रूप में उभरने से यह कमी आई।

हालांकि वृद्धि की प्रक्रिया को संक्षेप में दर्शाने के लिए तालिका 14.4 पिछले 5 वर्षों में पर्यटकों की निरन्तर बढ़ती संख्या को दर्शाती है।

तालिका 14.4: वर्ष 2011 से 2015 में पर्यटकों की बढ़ती संख्या

क्रमांक	वर्ष	पर्यटकों की कुला संख्या
1	2011	983 मिलियन
2	2012	1,035 मिलियन
3	2013	1,087 मिलियन
4	2014	1,135 मिलियन
5	2015	1,184 मिलियन

14.7 विश्व में भविष्य के लिए पर्यटन में वृद्धि

2010 से अंतर्राष्ट्रीय पर्यटक आगमन में 4.4% की वृद्धि हुई है जो 2015 में 1,184 मिलियन तक पहुंच गई है, यह वृद्धि लगातार 6 वर्षों में औसत से अधिक वृद्धि है जिसमें अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों की संख्या में प्रतिवर्ष 4% या अधिक की वृद्धि हुई है। 2015 में 2014 से 50 मिलियन अधिक पर्यटकों ने अंतर्राष्ट्रीय स्थलों की यात्रा की। भावी वर्षों के लिए सम्भावनाएं सकारात्मक हैं जिसमें अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों के आगमन में विश्वव्यापी 4% की वृद्धि की आशा है।

अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन ने 2015 में नई ऊँचाइयों को छुआ है। इस क्षेत्र का मजबूत प्रदर्शन विश्व के अनेक भागों में आर्थिक विकास और रोजगार निर्माण में योगदान दे रहा है। अत: देशों के लिए यह आवश्यक है कि वे ऐसी नीतियों को बढ़ावा दें, जो पर्यटन के निरन्तर विकास, जिसमें यात्रा सुविधाएं, मानव संसाधन विकास और दीर्घ जीविता शामिल है, पर ध्यान दिया गया हो।

क्रियाकलाप 14.2

एशियाई देशों के लिए विश्व पर्यटक आंकड़े एकत्र कीजिए। विश्व पर्यटन में भारत की हिस्सेदारी का पता कीजिए और यह पता लगाइए कि विश्व स्तर पर भारत की हिस्सेदारी कम क्यों है?

पाठगत प्रश्न 14.2

1. विश्व पर्यटन को प्रभावित करने वाले कारकों का वर्णन कीजिए।
2. पर्यटकों के लिए आकर्षक आयोजन और मनोरंजक गतिविधियों की चर्चा कीजिए।
3. 2011 से विश्व पर्यटन की वृद्धि पर चर्चा कीजिए।

14.8 विश्व में पर्यटकों का आगमन

यह स्पष्ट है कि पर्यटक विश्व के कुछ भागों में बड़ी संख्या में केन्द्रित हैं। वे विकसित अर्थव्यवस्थाओं में अधिक हैं परन्तु उनका वितरण उभरती अर्थव्यवस्थाओं में भी बढ़ रहा है। यदि हम देशों के

आकार और जनसंख्या की तुलना करें तो उन देशों का स्थानिक वितरण विकसित देशों में बहुत अधिक है। अधिकांश विकसित अर्थव्यवस्थाओं का क्षेत्र बहुत कम है और तुलनात्मक रूप से जनसंख्या भी बहुत कम है। लोगों के समृद्ध होने के कारण वे पर्यटन गतिविधियों के लिए समय निकाल पा रहे हैं। इस कारण ऐसे देशों में यात्रा और पर्यटन अधिक लोकप्रिय हैं।

विभिन्न देशों का भ्रमण करने वाले पर्यटकों की सही संख्या को चित्र 14.3 में दर्शाया गया है। मानचित्र से प्रकट होता है कि सामान्य और ठण्डी जलवायु वाले क्षेत्र पर्यटन गतिविधियों के लिए बहुत अनुकूल हैं।

चित्र 14.3: विश्व के विभिन्न भागों में पर्यटकों का आगमन

अंतर्राष्ट्रीय पर्यटक आगमन की प्रवृत्ति निरन्तर बढ़ रही है। लगभग 17 वर्ष के समय में अंतर्राष्ट्रीय पर्यटक आगमन की संख्या 1995 में 530 मिलियन से बढ़कर 2012 में 1035 मिलियन तक पहुंच चुकी है। यह संख्या दुगने से थोड़ी सी कम है। 2011 की तुलना में 2012 में अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों के आगमन की संख्या लगभग 4% बढ़ी है। 2012 में अंतर्राष्ट्रीय पर्यटक आगमन की कुल संख्या इतिहास में पहली बार एक बिलियन से अधिक पहुंची है। एशिया और प्रशान्त क्षेत्र में उच्चतम वृद्धि 7% दर्ज की गई।

अंतर्राष्ट्रीय पर्यटक आगमन मिलियन

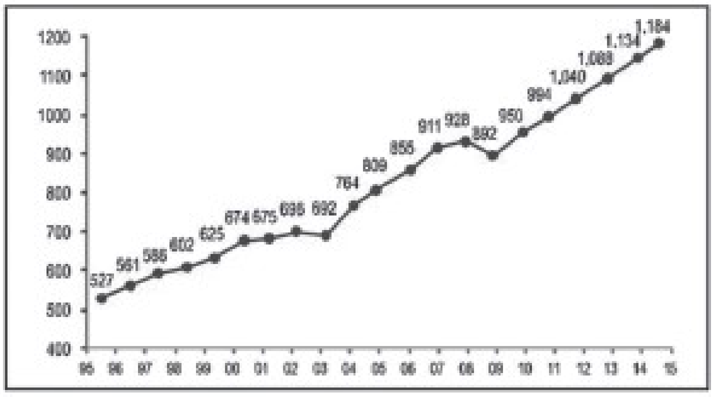

Source: World Tourism Organization (UNWTO) ©

चित्र 14.4: अंतर्राष्ट्रीय पर्यटक आगमन में वृद्धि

ग्राफ (चित्र 14.4) 1995 से 2015 तक अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आने वाले पर्यटकों की लम्बी और लगातार वृद्धि को दर्शाता है। 1995 में यह संख्या लगभग 527 मिलियन थी और 2002 तक आगमन में बढ़ती निरन्तरता को दर्शाता है। 2003 में थोड़ी कमी आई परन्तु 2004 में दोबारा वृद्धि की प्रवृत्ति दिखी गई जो 764 मिलियन थी। 2010 तक हम पर्यटकों की संख्या में निरन्तर वृद्धि को देखते हैं और 2015 के अन्त में यह 1.184 मिलियन तक बढ़ गई।

2015 में अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों के आगमन में हिस्सेदारी

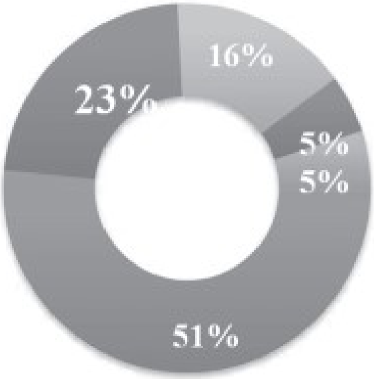

- यूरोप – **609 मिलियन**
- एशिया और प्रशान्त – **278 मिलियन**
- अमेरिका – **191 मिलियन**
- अफ्रीका – **53 मिलियन**
- मध्य एशिया – **54 मिलियन**

चित्र 14.5

यद्यपि उपर्युक्त चार्ट 2015 में पांच भिन्न क्षेत्रों में वृद्धि की बदलती स्थिति को दर्शाता है। पर्यटकों की अधिकतम संख्या, (609 मिलियन) यानी 51% ने यूरोप का भ्रमण किया। यूरोप के बाद एशिया और प्रशान्त क्षेत्र का नम्बर आता है जो 278 मिलियन पर्यटक संख्या अर्थात् कुल का 23% है। सबसे कम संख्या 53 मिलियन (5%) ने अफ्रीका का भ्रमण किया।

14.9 पर्यटक आगमन और प्राप्ति

पर्यटक आगमन का अर्थ है किसी पर्यटन केन्द्र पर आने वाले और निवास पाने वाले व्यक्तियों की संख्या। ऐसे लोग कम से कम एक रात के निवास के लिए आते हैं। साथ ही आने वाले सभी लोगों को आयु सीमा के बिना गिना जाता है। एक बच्चे को भी पर्यटक केन्द्र पर आने वाले पर्यटक के रूप में गिना जाता है। भले ही उससे रात्रि विश्राम के लिए कोई किराया नहीं लिया जाता। अतः आयु की सीमा लागू नहीं होती। इसलिए सभी लोगों को गिना जाता है और इस संख्या को आए हुए पर्यटकों की संख्या के रूप में जाना जाता है।

टिप्पणियाँ

अंतर्राष्ट्रीय पर्यटक प्राप्तियाँ आने वाले अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों द्वारा पर्यटन गतिविधियों पर किया गया खर्च है। इसमें राष्ट्रीय यात्रा और परिवहन सुविधा प्रदान करने वालों द्वारा किया गया कुल भुगतान शामिल किया जाता है। लक्ष्य देश में किसी भी प्रकार की वस्तु अथवा सेवा प्राप्त करने के बदले किए गए भुगतान को गिना जाता है। दूसरे शब्दों में अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों द्वारा प्रयोग की गई किसी भी प्रकार की राशि को प्राप्तियों के वर्ग में गिना जाता है जैसे निवास, लक्ष्य देश के भीतर यातायात, भोजन और पेय, मनोरंजन, स्मृति चिह्नों के क्रय और प्रवेश शुल्क इत्यादि को गिना जाता है।

यूरोप में आगमन 3% बढ़ा जबकि अफ्रीका में आगमन 2% बढ़ा। अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन प्राप्तियाँ 2013 में 1197 बिलियन अमरीकी डॉलर की अपेक्षा 2014 में विश्व स्तर पर बढ़कर 1245 बिलियन अमरीकी डॉलर पहुंच गई जो सही अर्थों में 3.7% की वृद्धि के बराबर है। (इसमें मुद्रा विनिमय दर में घटाव-बढ़ाव और मुद्रस्फीति को ध्यान में रखा गया है।)

2014 में अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों से निवास, भोजन, पेय, मनोरंजन, खरीददारी तथा अन्य वस्तुओं और सेवाओं पर खर्च से प्राप्तियाँ अनुमानतः 1,245 बिलियन अमरीकी डॉलर (937 बिलियन यूरो) तक पहुंच गया है जो सही अर्थ में (विनिमय दर के घटने-बढ़ने एवं मुद्रास्फीति को ध्यान में रखते हुए) 3.7 की वृद्धि है। अंतर्राष्ट्रीय पर्यटक आगमन 2014 में 4.4% की दर से बढ़ा और 2013 में 1087 मिलियन के मुकाबले 2014 में 1135 मिलियन तक पहुंच गया।

अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन प्राप्तियों के अतिरिक्त पर्यटन से निर्यात की आय भी अंतर्राष्ट्रीय यात्री परिवहन सुविधाओं के माध्यम से प्राप्त होती है (अनिवासियों को दी गई सेवा) यह आय (परिवहन सुविधाओं) 2014 में अनुमानतः 221 बिलियन अमरीकी डॉलर थी जिसने अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन से कुल निर्यात को 1.5 ट्रिलियन अमरीकी डॉलर अथवा 4 बिलियन अमरीकी डॉलर प्रतिदिन कर दिया। अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन से होने वाली प्राप्तियों में सभी क्षेत्रों में वृद्धि हुई।

विश्व : अंतर्निहित पर्यटन
अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन प्राप्तियां 2014 (यूएस डॉलर बिलियन)

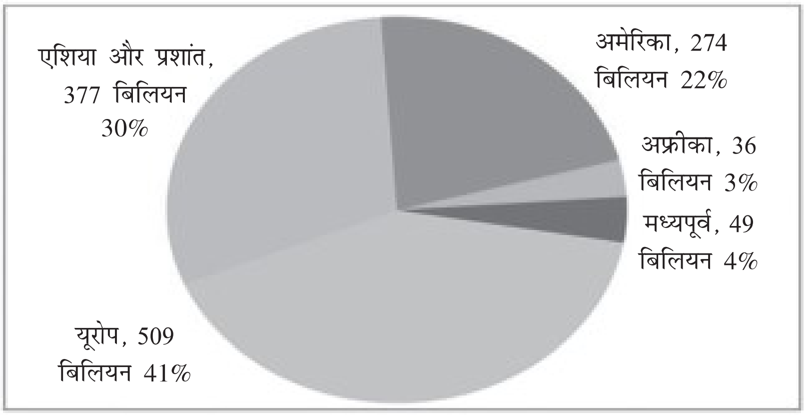

Source: World Tourism Organization (UNWTO) ©

चित्र 14.6

चित्र स्पष्ट रूप से 2014 में अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन प्राप्तियों में हिस्सेदारी को दर्शाता है जिसमें यूरोप का सबसे बड़ा भाग था। यूरोप का विश्वव्यापी अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन प्राप्तियों में 41% का भाग है,

उसने पर्यटन आय में 17 बिलियन अमरीकी डॉलर से 509 बिलियन अमरीकी डॉलर (383 बिलियन यूरो) की वृद्धि देखी गई। एशिया और प्रशान्त में 30% की वृद्धि हुई जो 16 बिलियन अमरीकी डॉलर से बढ़कर 377 बिलियन अमरीकी डॉलर (284 बिलियन यूरो) हो गई। अमेरिका में (22% भागीदारी) प्राप्तियाँ 10 मिलियन अमरीकी डॉलर से बढ़कर कुल 274 बिलियन अमरीकी डॉलर (206 बिलियन यूरो) हो गई। मध्य पूर्व में प्राप्तियाँ अनुमानत: 4 बिलियन अमरीकी डॉलर से बढ़कर 49 बिलियन अमरीकी डॉलर (37 बिलियन यूरो) हो गई तथा अफ्रीका में (3% भागीदारी) 1 बिलियन अमरीकी डॉलर से बढ़कर 36 बिलियन (27 बिलियन यूरो) हो गई।

टिप्पणियाँ

14.10 विश्व पर्यटन की सम्भावनाएं

विश्व पर्यटन की बढ़ती सम्भावनाओं के स्वरूप को निम्न चित्र द्वारा दर्शाया गया है। यह 1950 से अब तक तथा वर्ष 2020 के लिए किए भावी आकलन के लिए भिन्न-भिन्न क्षेत्रों की प्रवृत्ति को दर्शाता है। इस उल्लिखित अवधि के प्रारम्भ में पर्यटन गतिविधियाँ बहुत व्यापक नहीं थीं। ऐसा ही विकसित माने जाने वाले देशों के लिए सत्य था। विकसित देशों के बाहर यात्रा और पर्यटन उद्योग में वृद्धि 1970 से दिखाई देने लगी। ऐसा विकासशील देशों की सामाजिक आर्थिक स्थिति में सुधार आने के कारण हुआ। इससे मध्यम, उच्च मध्यम वर्ग को उपभोगजन्य आय में वृद्धि हुई। यह लोगों द्वारा अपनाई गई पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा देने वाला टॉनिक सिद्ध हुई। तब से पर्यटन के वैश्विक स्वरूप में परिवर्तन आया। पर्यटन को चौतरफा विस्तार मिला परन्तु इसने विकसित देशों का हिस्सा कम कर दिया। औसतन प्रतिवर्ष वृद्धि की दर लगभग 4.5% है।

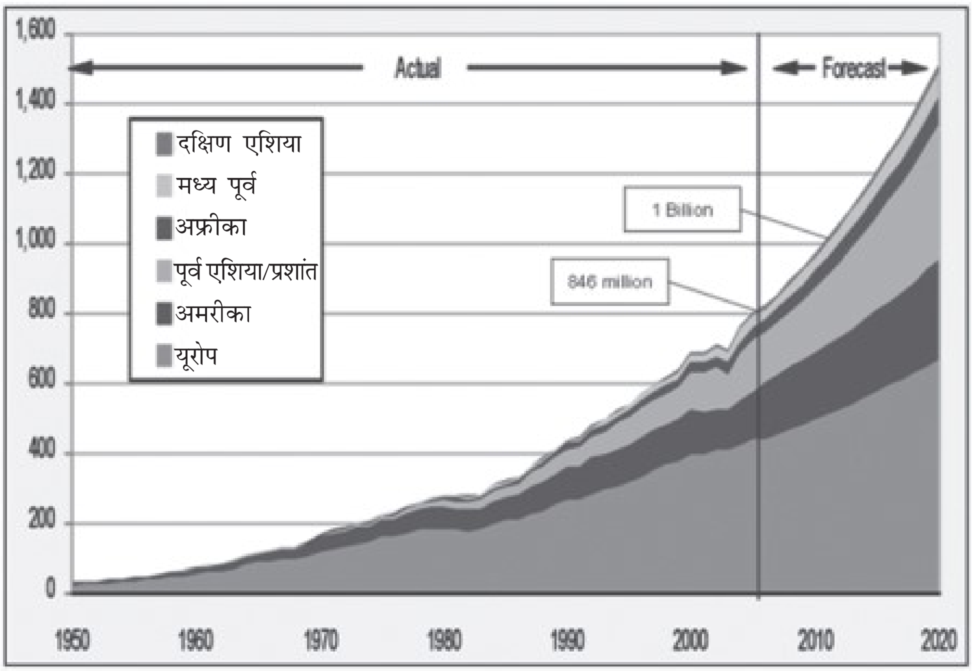

Source: www.world.tourism.org

चित्र 14.7 विश्व में क्षेत्रीय पर्यटन वृद्धि का आकलन (1950-2020)

कुछ मुख्य बिन्दु :

- यूरोप को सर्वाधिक लोकप्रिय स्थल माना गया है जहां 2020 तक पर्यटकों की संख्या 717 मिलियन तक पहुंचने की अनुमान है। ऐसा माना जाता है कि यह औसतन 3.1% की दर से बढ़ेगी।
- पूर्व एशिया और प्रशान्त में वृद्धि की दर 6.5% वार्षिक रहने का अनुमान है। इसका भाग विश्व के कुल पर्यटकों का 25% रहेगा और अमेरिका के स्थान पर यह दूसरी सबसे बड़ी स्थिति में होगा।
- अमेरिका और मध्य एशिया में पर्यटन गतिविधियाँ बढ़ने का पूर्वानुमान है। यहां 7% वार्षिक वृद्धि होने की सम्भावना है।
- दक्षिण एशिया में पर्यटन सबसे कम है परन्तु ऐसा माना जा रहा है कि पर्यटन में वृद्धि के कारण 2020 में यहां भी पर्यटन बढ़ेगा। इसका भाग 2020 में लगभग 19 मिलियन होगा जो 1995 की तुलना में पांच गुणा अधिक है।

तालिका 14.5: विश्व में पर्यटन आगमन का आकलन

विश्व के क्षेत्र	आधार वर्ष	पूर्वानुमान		बाजार में भाग (%) वृद्धि दर (%)		वर्षिक औसत
	1995	2010	2020	1995	2020	1995-2020
	(मिलियन में)					
विश्व	565	1006	1561	100	100	4.1
अफ्रीका	20	47	77	3.6	5.0	5.5
अमेरिका	110	190	282	19.3	18.1	3.8
पूर्व एशिया और प्रशान्त	81	195	397	14.4	25.4	6.5
यूरोप	336	527	717	59.8	45.9	3.1
मध्य एशिया	14	36	69	2.2	4.4	6.7
दक्षिण एशिया	4	11	19	0.7	1.2	6.2

? क्या आप जानते हैं

विश्व पर्यटन दिवस प्रतिवर्ष 27 सितम्बर को मनाया जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय समुदाय में पर्यटन के महत्व के बारे जागरुकता पैदा करना है। प्रत्येक वर्ष 27 सितम्बर के दिन यूएनडब्लूटीओ (UNWTO) इच्छुक पार्टियों को उनके देश के अवकाश स्थलों पर आयोजित होने के विशेष समारोहों में भाग लेने के लिए आमंत्रित करता है।

पाठगत प्रश्न 14.3

1. विश्व पर्यटन में योगदान देने वाले शीर्ष दस देशों के बारे में लिखिए।
2. विश्व के कौन से भाग की अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन प्राप्तियों में अधिकतम भागीदारी है।
3. अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन में विकासशील देशों की भागीदारी में कैसे वृद्धि हुई?

आपने क्या सीखा

- विश्व में पर्यटन के स्वरूप और वृद्धि के वितरण में एक समानता नहीं है। बहुत पहले से पर्यटन विकसित देशों और वहां के सम्पन्न लोगों का काम रहा है। परन्तु पिछले कुछ दशकों से विकासशील देशों में भी आर्थिक प्रगति हो रही है।
- विश्व के भिन्न-भिन्न भागों में समाज के बड़े वर्ग की आर्थिक स्थिति में सुधार से पर्यटन की वृद्धि और स्वरूप में परिवर्तन आया है और यह अभी भी चल रहा है।
- पर्यटन विश्व के बड़े-बड़े स्थलों के साथ-साथ यहां से जुड़े लोगों तक पहुंच गया है। ऐसा लोगों की अधिक आय, लोगों की क्रय शक्ति, कम खर्चीली यात्रा, विश्व की बढ़ती जानकारी तथा सरकार की ओर से बढ़ावा देने के कारण हो रहा है।
- 1950 से विश्व में पर्यटन की गतिविधियाँ बढ़ने का मुख्य कारण विभिन्न प्रकार के आकर्षण रहे हैं।
- अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पर्यटकों का आगमन लम्बे समय से निरन्तर धीमे-धीमे बढ़ रहा है। 1995 में यह लगभग 527 मिलियन था और 2002 तक इसमें निरन्तरता दिखाई देती है। 2003 में थोड़ी कमी दिखाई देती है परन्तु 2004 में पुनः वृद्धि की प्रवृत्ति दिखाई देती है जो 764 मिलियन है। 2010 तक हम पर्यटक आगमन में निरन्तर वृद्धि देखते हैं जो 2015 में बढ़कर 1.184 मिलियन हो चुकी है।
- पर्यटन का स्थानिक क्षितिज पारम्परिक से अपारम्परिक क्षेत्रों तक बढ़ चुका है। अपारम्परिक क्षेत्रों का योगदान समय के साथ बहुत तेजी से बढ़ रहा है और पर्यटन का बदलता रूप बहुत स्पष्ट हो रहा है और कुछ समय बाद विश्व का अधिकांश भाग पर्यटन मानचित्र पर होगा।

पाठांत अभ्यास

1. 1950 से विश्व पर्यटन की बढ़ती प्रवृत्ति पर चर्चा कीजिए।
2. अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन की वर्तमान प्रवृत्ति का विश्लेषण कीजिए।
3. पर्यटन आगमन और प्राप्तियों में शीर्ष के दस देशों की हिस्सेदारी को स्पष्ट कीजिए।

पाठगत प्रश्नों के उत्तर

14.1

1. (i) पर्यटकों की उपभोगजन्य आय की वृद्धि

   (ii) सवैतनिक अवकाश अथवा अवकाश का अधिकार

   (iii) यात्रा खर्च

   (iv) प्रौद्योगिकी

   (v) पैकेज प्रदाता/यात्रा संचालक

2. प्राकृतिक : दृश्य, पार्क, तट

   सांस्कृतिक : ऐतिहासिक स्थल, पुरातात्विक स्थल, संग्रहालय

3. खेल पर्यटन पर्यटकों का किसी अन्य स्थान पर खेल देखने अथवा भाग लेने की यात्रा होती है। खेल पर्यटन में गोल्फ, तैराकी, टेनिस, क्रिकेट, बर्फ के खेल, विश्व कप, फुटबाल इत्यादि शामिल होते हैं।

14.2

1. विश्व पर्यटन को प्रभावित करने वाले कुछ कारक प्राकृतिक स्थल, वहां तक की पहुंच तथा सामान्य जलवायु की परिस्थितियाँ होते हैं।

2. अनेक विशिष्ट कार्यक्रम जैसे त्यौहार, धार्मिक और व्यापारिक मेले पूरे विश्व में आयोजित किए जाते हैं। अनेक मनोरंजक गतिविधियाँ जैसे स्थलों का भ्रमण, खेल-गोल्फ, बर्फ के खेल, विश्व कप, फुटबाल इत्यादि पर्यटकों पर चुम्बकीय प्रभाव डालते हैं।

3. 2011 से विश्व पर्यटन में वृद्धि काफी अधिक है। वर्ष 2011 में 983 मिलियन पर्यटकों का आगमन हुआ 2013 में यह बढ़कर 1087 मिलियन पर्यटकों तक हो गया और 2015 में बढ़कर यह 1184 मिलियन हो गया है। वृद्धि होने की सम्भावनाएं सकारात्मक हैं और 2016 में अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों की वृद्धि दर 4% की दर से होने की संभावना है।

14.3

1. फ्रांस, संयुक्त राज्य, स्पेन, इटली, यू.के. चीन, पौलेण्ड, मेक्सिको, कनाडा और हंगरी

2. अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन प्राप्तियों में यूरोप की हिस्सेदारी अधिकतम 41% है।

3. पूर्व एशिया और प्रशान्त में पर्यटकों का आगमन बहुत मजबूत हैं। यूरोप और अमेरिका की भागीदारी काफी कम हुई है। ऐसा अन्य पर्यटक स्थलों के विकसित होने अथवा बढ़ने के कारण हुआ है। 2020 तक दक्षिण एशिया का भाग 19 मिलियन तक पहुंचने का अनुमान है जो पिछले वर्षों से कहीं अधिक है।